धौलपुर में पानी का संकट खत्म, गांव लौट रहे लोग

दो बांध बनने से राजस्थान के जिले की तस्वीर बदली, 11 हजार आबादी को फायदा

Madhuri.Sengar@timesgroup.com

धौलपुर : रोजी-रोटी का संघर्ष, सिंचाई तो दूर पशुओं को पिलाने के लिए और घरों में खाना बनाने के लिए भी लोगों के पास पानी नहीं था। खेती भी पूरी तरह से ठप थी। लोग गांव छोड़कर जाने लगे थे। 2015 तक राजस्थान के धौलपुर जिले का ये हाल था। अब हालात बदल गए हैं। टोंटारी गांव में लगभग 800 करोड़ लीटर पानी को स्टोर करने की क्षमता के साथ 11 किलोमीटर लंबाई का एक विशाल जल भंडार है।

खुले में खोदे गए कुओं का स्तर 3 किमी बढ़ गया है। आसपास के 100 से अधिक बोरवेल और 70 हैंडपंप भी फिर चालू हो गए हैं। स्थानीय निवासी गंगा सिंह परमार ने बताया कि जो लोग पलायन कर चुके थे वे लौट रहे हैं। वे अपनी जमीन पर एक बार फिर आलू, मिर्च और टमाटर की खेती कर रहे हैं। स्थानीय निवासी हरिशंकर कहते हैं कि अब खेती अच्छी हो रही है। जिले में जल संकट समाप्ति का जिम्मा निजी फाउंडेशन और सामाजिक संगठनों ने लिया और 2014 से अब तक दो चेक डैम बनाए। यहां बामनी नदी पर बांध, न केवल जल जमा कर रहा है, बल्कि जलस्तर भी बेहतर है। इसने आसपास के 5 गांवों में 11,000 से अधिक लोगों के जीवन को सकारात्मक रूप से प्रभावित किया है।

फाउंडेशन के अमृत सरोवर अभियान से जुड़ी वैज्ञानिक डॉ. स्वाति स्नोटकर और मिलिंद पंडित ने बताया कि यहां सात किलोमीटर लंबी पाइपलाइन बिछाई जा रही है, जिसके जरिए खेतों और घरों तक पानी पहुंचाया जाएगा। कोका कोला इंडिया फाउंडेशन के सीनियर मैनेजर राजीव गुप्ता ने बताया कि यहां पहला बांध महज 90 लाख रुपये में दो महीने में पूरा किया गया है। दूसरा बांध तीन महीने में 1.20 करोड़ में बना। फाउंडेशन ने ल्यूपिन ह्यूमन वेलफेयर एंड रिसर्च फाउंडेशन और राजपूताना सोसायटी के साथ मिलकर काम किया।

nwda.gov.in